SHREE GOVIND GURU UNIVERSITY

GODHARA

U.G COURSES IN HINDI

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

[COURSE: B.A. SEMESTER – III

यु.जी.सी. के अनुसार सेमेस्टर - III

हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय पाठयक्रम का प्रारूप एवं संरचना

वर्ष – २०१७-२०१८

BY

SYLLABUS COMMITTEE – HINDI

सेमेस्टर- **III** (द्वितीय वर्ष बी.ए)

COURSES: (प्रश्नपत्र) **CREDIT- 4**

CORE HIN 201 (मुख्य) आधुनिक हिन्दी कविता - ३

CORE HIN 202 (मुख्य) हिन्दी नाटक और एकांकी

CORE HIN 203 (मुख्य) हिन्दी साहित्य का इतिहास - आदिकाल और निर्गुण भक्तिकाल

ELECTIVE-I HIN 201 (गौण) आधुनिक हिन्दी कविता - ३

ELECTIVE-I HIN 202 (गौण) हिन्दी नाटक और एकांकी

यु.जी.सी. के अनुसार सेमेस्टर - III

हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय पाठयक्रम का प्रारूप एवं संरचना

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

२०१ आधुनिक हिन्दी कविता [Core course & Elective-I- CREDIT- 4]

युनिट	पाठ्यक्रम	
१	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	१ नये जमाने की मुकरिया २ मातृभाषा प्रेम पर दोहे
	अयोध्योसिंह उपाध्याय 'हरिऔंध'	१ फूल और काँटा २ कर्मवीर
२	मैथिलीशरणगुप्त	१ नर हो न निराश करो मन को २ कर्तव्य-पथ
	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	१ विप्लव गायन २ भिक्षा
३	जयशंकर प्रसाद	१ हिमाद्रि तुंग श्रृंग से २ नारी तुम केवल श्रद्धा हो
	सुमित्रानंदन पंत	१ ताज २ आःयह धरती कितना देती है
४	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	१ तोड़ती पत्थर २ सरोजस्मृति
	महादेवी वर्मा	१ वे मुस्काते फूल नही २ मैं नीर भरी दुःख की बदली

संदर्भ ग्रंथ :

१ छायावाद – डॉ.नामवरसिह

२ छायावाद के आधारस्तंभ - गंगाप्साद पाण्डेय

३ छायावादी कवियॉ का सौंदर्य – डॉ. सूर्यप्रसाद दक्षित

४ स्वच्छंदतावादी काव्यधारा – प्रेमशंकर

५ निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा

६ जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे बाजपेयी

७ प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर

८ हिन्दी कविता तीन दशक - डॉ.रामदरशमिश्र

९ आधुनिक हिन्दी काव्य के नवरत्न – रमेशचंन्द्र शर्मा

१० हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - द्वारीका प्रसाद सक्सेना
११ मैथिलीशरण गुप्त – व्यक्तित्व एवं कृतित्व – दानबहादुर पाठक

१२ राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त - शैली वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ.मनमोहन गोस्वामी

१३ महादेवी का काव्य : वस्तु और शिल्प – डॉ. राधिकासिह

१४ महादेवी के काव्य में बिम्बविधान – डॉ. माणिक्याम्बा मणि

२०२ हिन्दी नाटक और एकांकी [Core course & Elective-I, CREDIT- 4]

पाठ्यपुस्तक : १ अंजो दीदी – उपेन्द्रनाथ अश्क नीलाभ प्रकाशन-इलाहाबाद

पाठ्यपुस्तक : २ नये रंग एकांकी – संपादक - उपेन्द्रनाथ अश्क, नीलाभ प्रकाशन-इलाहाबाद

युनिट	पाठ्क्रम	
१	नाटक अंजो दीदी - उपेन्द्रनाथ अश्क	
	१	उपेन्द्रनाथ अश्क व्यक्तित्व एवं कृतित्व
	२	नाटक का कथासार
	३	नाटक के तत्वो के आधार पर मूल्यांकन
२	१	अंजो दीदी की प्रासंगिकता
	२	अंजो दीदी की समस्याएँ
	३	अंजो दीदी के पात्र
३	एकांकी	
	१	बाहर का आदमी : लक्ष्मीनारायण लाल
	२	आवाज का नीलाम: धर्मवीर भारती
४	एकांकी	
	१	प्यालियाँ तूटती है : मोहन राकेश
	२	वे नाक से बोलते है : सुरेन्द्र वर्मा

संदर्भ ग्रंथ:

१ हिन्दी नाटक उदभव और विकास – दशरथ ओझा

२ आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच - लक्ष्मीनारायण लाल

३ हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष - गिरीश रस्तोगी

४ एकांकी और एकांकी कार – रामचरण महेन्द्र

५ हिन्दी एकांकी का रंगमंचीय अनुशीलन – भुवनेश्वर महतो

६ हिन्दी एकांकी की शील्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार

७ हिन्दी नाटक - बच्चनसिह

८ हिन्दी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ. नर्मदेश्वर राय

९ रंग दर्शन – नेमिचंन्द्र जैन

१० समस्या नाटककार अश्क - डॉ.उमाशंकरसिह

११ उपेन्द्रनाथ अश्क का नाट्य साहित्य – महमूद रसूल पटेल

१२ उपेन्द्रनाथ अश्क के नाटक - डॉ.पी.जे.शिवकुमार

१३ धर्मवीर भारती :युग चेतना और अभिव्यक्ति – डॉ. सरिता शुक्ला

२०३ हिन्दी साहित्य का आदिकाल और निर्गुण भक्तिकाल **[Core course- CREDIT- 4]**

युनिट	पाठ्कम
	हिन्दी साहित्य का आदिकाल
१	- हिन्दी साहित्य के आदिकाल के नामकरण की समस्या और परिस्थितियॉ का परिचय - आदिकाल- की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियॉ - रासो साहित्य - सिद्ध साहित्य - नाथ साहित्य - जैन साहित्य - लौकिक साहित्य
	भक्तिकाल
२	- भक्तिकाल की परिस्थितियॉ - भक्ति का स्वरूप, परिभाषा - भक्ति के प्रकार - भक्तिकाल की प्रवृत्तियॉ
३	निर्गुण ज्ञानाश्रयी शाखा
	- निर्गुण भक्ति का स्वरूप और उसकी विशेषताए - ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियॉ - कबीर - रैदास
४	निर्गुण प्रेमाश्रयी शाखा
	- प्रेमाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियॉ - प्रेमाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि - मलिक मुहम्मद जायसी - कुतुबन - प्रेमाश्रयी शाखा की प्रमुख कृतियॉ - पद्‌मावत - मधुमालती

संदर्भ ग्रंथः

१ हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंन्द्र शुक्ल

२ हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी

३ हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

४ हिन्दी साहित्य इतिहास – सं.डॉ.नगेन्द्र

५ हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी

६ हिन्दी साहित्य उद्‌भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी

७ हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी

८ हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा

९हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चनसिह

१० नाथपंथ और संत साहित्य- नागेन्द्रनाथ उपाध्याय

११ संत सीहत्य – राधेश्याम दुबे

१२ कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी

१३ हिन्दी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति – श्यामसुंदर शुक्ल

१४ कबीर की विचारधारा - गोविंद त्रिगुणायत

१५ कबीर साहित्य की परख - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

१६ हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी

१७ सूफी कविता की पहचान – यश गुलाटी

१८जायसी का पद्‌मावत: काव्य तथा दर्शन - गोविंद त्रिगुणायत

१९ जायसी का काव्य – सरोजनी पाण्डेय

२० हिन्दी में सूफी प्रेमाख्यान – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

२१ निर्गुण काव्य:प्रेरणा और प्रवृत्ति – डॉ. रामसजन पाण्डेय

SHREE GOVIND GURU UNIVERSITY

GODHARA

U.G COURSES IN HINDI

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

[COURSE: B.A. SEMESTER – IV]

यु.जी.सी. के अनुसार सेमेस्टर - IV

हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय पाठयक्रम का प्रारूप एवं संरचना

वर्ष – २०१७- १८

BY

SYLLABUS COMMITTEE – HINDI

सेमेस्टर- **IV (** द्वितीय वर्ष बी.ए)

COURSES: (प्रश्नपत्र) **CREDIT- 4**

CORE HIN 211 (मुख्य) मध्यकालीन कविता

CORE HIN 212 (मुख्य) निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

CORE HIN 213 (मुख्य) हिन्दी साहित्य का इतिहास –सगुण भक्तिकाल एवं रीतिकाल

ELECTIVE-I HIN 211 (गौण) मध्यकालीन कविता

ELECTIVE-I HIN 212 (गौण) निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

यु.जी.सी. के अनुसार सेमेस्टर – **IV**

हिन्दी विषय के स्नातक स्तरीय पाठयक्रम का प्रारूप एवं संरचना

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

211 मध्यकालीन कविता [Core course & Elective-I- CREDIT- 4]

पाठ्यपुस्तक :- प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य

संपादक :- डॉ.वीरेन्द्रनारायण सिंह, धूमिल प्रकाशन,अहमदाबाद

युनिट	पाठ्यक्रम
१	**१ कबीर**
	गुरुदेव कौ अंग विरह कौ अंग माया कौ अंग कथनी बिना करणीं कौ अंग निंद्या कौ अंग
	२ जायसी
	नागमती वियोग खंड- १ से १७
२	**१ सूरदास**
	सगुणोपासना- पद- २ श्रीकृष्ण जन्म- पद – ४,५,,६,८ राधा-कृष्ण – पद - ९ विरह-वियोग- पद -१२,१३,१४,१५,१६,१७
	२ तुलसीदास
	बाललीला वनमार्ग में राम-लक्ष्मण-सीता
३	**१ मीरॉंबाई**
	विरोध- पद- १६,१७ उपालंभ विरह यातना
	२ बिहारी
	रूप-वर्णन विरह

४	**१ घनानंद**	
	कवित्त- ३,४ सवैया- १८,१९,२०,२१	
	२ रहीम	
	दोहा संख्या १ से ११	

संदर्भ ग्रंथ :

१ कबीर – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

२ कबीर साहित्य की परख - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

३ जायसी का पदमावत : काव्य तथा दर्शन – डॉ.गोविंद त्रिगुणायत

४ जायसी एक अध्ययन – डॉ.रणधीर श्रीवास्तव

५ पदमावत का अनुशीलन – डॉ. इन्द्रचंद्र नारद

६ सूर का भ्रमरगीत – डॉ.पुरूषोत्तम बाजपेयी

७ सूरदास और उनका भ्रमरगीत – प्रो.रामकुमार शर्मा

८ तुलसी एक अध्ययन – डॉ. रामप्रसाद मिश्र

९ गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य – डॉ.रमेशचंद्र शर्मा

१० मध्ययुगीन काव्य के आधार स्तंभ – डॉ. तेजपाल चौधरी

११ भक्तिकाल के कालजयी रचनाकार – डॉ. विष्णुदास वैष्णव

१२ मीरॉं का व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ.संजय मल्होत्रा

१३ मीरॉंबाइ का जीवनवृत्त एवं काव्य – डॉ. कल्यापसिंह शेखावत

१४ मीरॉं का रचना संसार – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

१५हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि – डॉ. द्वारीका प्रसाद सक्सेना

१६ घनानंद कवित्त – डॉ. पारसनाथ तिवारी

१७ घनानंद का साहित्यक अवदान – डॉ.हनुमंत रणखांबे

१८ रहीम और उनका काव्य – डॉ. देशराजसिंह भाटी

212 निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

[Core course & Elective-I- CREDIT- 4]

यूनिट	पाठ्यक्रम	
१	**निबंध:**	
	१	साहित्य का स्वरूप – रामचंद्र शुक्ल
	२	साहित्य और जीवन – नन्द दुलारे बाजपेयी
२	**निबंध**	
	१	नाखून क्यों बढते है ? -हजारी प्रसाद द्विवेदी
	२	मेरा गाँव - घर – विद्यानिवास मिश्र
३	**रेखाचित्र और संस्मरण**	
	१	गोरा – महादेवी वर्मा
	२	महाकवि जयशंकर प्रसाद – शिवपूजन सहाय
४	**व्यंग्य**	
	१	भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई
	२	अतिथि! तुम कब जाओंगे - शरद जोशी

संदर्भ ग्रंथ :

१ आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य – हरदयाल

२ साहित्य में गद्य की नई विधाएँ - कैलाशचंन्द्र भाटीया

३ हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंन्द्र तिवारी

४ हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकार - द्वारीका प्रसाद सक्सेना

५ हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ – डॉ.हरिमोहन

६ विद्यानिवास मिश्र का निबंधालोक - डॉ. दिलीप देशमुख

७ छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

८ हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास – डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी

९ हिन्दी व्यंग्य विधाः शास्त्र और इतिहास – डॉ. बापूराव देसाइ

१० हरिशंकर परसाई के व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि – प्रो.राधेमोहन शर्मा

११ हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग चेतना - कु. आभा भट्ट

१२ हिन्दी रेखाचित्र – डॉ. हरवंशलाल शर्मा

१३ महादेवी का गद्य साहित्य – माखनलाल शर्मा

१४ आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य - चोथीराम यादव

१५ रामचंन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना –डॉ.रामविलास शर्मा

१६ आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदीजी के उपन्यासों का अनुशीलन – डॉ.धनंजय चौहान

213 हिन्दी साहित्य का इतिहास –सगुण भक्तिकाल एवं रीतिकाल

[Core course- CREDIT- 4]

युनिट	पाठ्यक्रम
१	**भक्तिकाल**
	भक्तिकाल की परिस्थितियाँ वैष्णव भक्ति के प्रतिष्ठापक प्रमुख आचार्य सगुण भक्ति की विशेषताएँ
२	**रामभक्ति शाखा**
	रामभक्ति का स्वरूप रामभक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ रामभक्ति काव्य के प्रमुख कवि एवं कृति - तुलसीदास कवितावली
३	**कृष्णभक्तिशाखा**
	कृष्णभक्ति काव्य का स्वरूप कृष्णभक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ अष्टछाप का परिचय कृष्णभक्ति काव्य के प्रमुख कवि एवं प्रमुख कृति – -सूरदास -भँवरगीत (नंददास)

४	**रीतिकाल**
	रीतिकाल का नामकरण और परिस्थितियाँ रीतिकाल की सामान्य विशेषताएँ रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएँ- रीतिबद्ध,रीतिमुक्त रीतिकाल के प्रमुख कवि और कृति - बिहारी, घनानंद कवित्त (घनानंद)

संदर्भ ग्रंथ :

१ हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंन्द्र शुक्ल
२ हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
३ हिन्दी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
४ हिन्दी साहित्य इतिहास – सं.डॉ.नगेन्द्र
५ हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
६ हिन्दी साहित्य उद्‌भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
७ हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
८ हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा
९ हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चनसिह
१० तुलसी एक अध्ययन – डॉ.रामप्रसाद मिश्र
११ सूरदास और उनका भ्रमरगीत – प्रो.रामकुमार शर्मा
१२ मीराँ का रचना संसार – डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
१३ गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य – डॉ. रमेशचंद्र शर्मा
१४ जायसी का पदमावत : काव्य तथा दर्शन – डॉ.गोविन्द त्रिगुणायत